

“वीबी-जीरामजी” की क्रियान्विति में राजस्थान का बेहतरीन प्रदर्शन

राष्ट्रीय औसत को 100 प्रतिशत पीछे छोड़ प्रदेश में महिलाओं की भागीदारी 72.69 प्रतिशत पहुंची

जयपुर (निसं)। राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन, आजीविका संवर्धन और आधारभूत सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता देते हुए निरंतर कार्य कर रही है। इस वर्ष (2026-27) योजना के अंतर्गत अब तक राजस्थान में महिलाओं की रोजगार में भागीदारी राष्ट्रीय औसत से 10.44 प्रतिशत अंक अधिक रही है। राज्य में कुल रोजगार दिवसों में महिलाओं की हिस्सेदारी 72.69 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि राष्ट्रीय औसत 62.25 प्रतिशत है। यह ग्रामीण महिलाओं की आजीविका के अवसरों में उनकी सक्रिय भूमिका को दर्शाता है। प्रति परिवार औसतन 24.29 दिन का रोजगार राजस्थान में योजना के तहत अब तक 18.86 लाख परिवारों और 21.66 लाख व्यक्तियों ने रोजगार प्राप्त किया है। राज्य में प्रति परिवार औसतन 24.29 दिन का रोजगार प्राप्त कर चुके हैं, जबकि राष्ट्रीय औसत 20.02 दिन है। इस तरह राजस्थान में औसतन 4.27 दिन अधिक रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। 42 हजार 557 परिसंपत्तियों का निर्माण, मिशन जल संरक्षण ब्लॉक पर 73 प्रतिशत से अधिक खर्च योजना के तहत राजस्थान में 42 हजार 557 परिसंपत्तियों का निर्माण हो चुका है। इन कार्यों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास गतिविधियों को नई गति प्रदान की जा रही है। कृषि एवं इससे संबद्ध गतिविधियों पर कुल व्यय का 35.88 प्रतिशत



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

और मिशन जल संरक्षण ब्लॉक पर 73.17 प्रतिशत खर्च किया जा रहा है। इस प्रकार गांव-ढाणी में जल जैसी बुनियादी सुविधा पर केन्द्रित होकर कार्य किया जा रहा है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति की लगभग 44 प्रतिशत सक्रियता ग्रामीण अर्थव्यवस्था को समावेशी बनाते हुए इस योजना के तहत वंचित वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश में अनुसूचित जाति के 20.43 और अनुसूचित जनजाति वर्ग की 23.34 प्रतिशत सहित कुल 44 प्रतिशत सक्रिय हिस्सेदारी से यह योजना अत्यंतोच्च के संकल्प को धरातल पर साकार कर रही है। वहीं, राष्ट्रीय स्तर पर इनकी हिस्सेदारी क्रमशः

- ‘राजस्थान में औसतन मिल रहा 4.27 दिन का अधिक रोजगार, 15 दिन में ही 97 प्रतिशत से अधिक लोगों को भुगतान हो रहा’
- इस योजना के माध्यम से प्रदेश में 18.86 लाख परिवारों और 21.66 लाख व्यक्तियों को रोजगार मिला

18 प्रतिशत और 18 प्रतिशत दर्ज की गई है। इस प्रकार दोनों वर्गों की उत्साहजनक भागीदारी में राजस्थान राष्ट्रीय औसत से आगे है। ईएफएमएस के माध्यम से 100 प्रतिशत खर्च “बीबी-जीरामजी” योजना के तहत राजस्थान में 97.04 प्रतिशत भुगतान 15 दिनों के भीतर जनरेट किए गए, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह आंकड़ा 82.46 प्रतिशत है। इस प्रकार राजस्थान राष्ट्रीय औसत से 14.58 प्रतिशत अंक आगे है। राज्य में कुल व्यय का 100 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक फंड में जेनजेमेट सिस्टम के माध्यम से किया गया है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह आंकड़ा 99.97 प्रतिशत है।

20 करोड़ रु. के अतिरिक्त मुआवजे का आदेश निरस्त

बड़ी सादड़ी-नीमच रेल भूमि के 18 मामलों में बांसवाड़ा जिला-सत्र न्यायालय ने रेलवे को राहत दी

बांसवाड़ा । बड़ी सादड़ी-नीमच नई रेल लाइन परियोजना में अधिग्रहित भूमि का मुआवजा बढ़ाने के मामले में बांसवाड़ा जिला एवं सत्र न्यायालय ने अहम फैसला सुनाते हुए संभागीय आयुक्त नीरज कुमार पवन के मध्यस्थता अवाई को निरस्त कर दिया। यह फैसला 18 सामन प्रकृति के प्रकरणों में लागू होगा, जिनमें भूमि को आवासीय मानकर मुआवजे के पुनर्निर्धारण के निर्देश दिए गए थे। इन आदेशों से रेलवे पर 20 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ने की संभावना थी। इस प्रकरण में रेलवे की ओर से केंद्र सरकार के विशेष रूप से नियुक्त पैरल अधिवक्ता आशीष कुमार और देवेश यादव ने पैरवी की।

पोटासीन अधिकारी राम सुरेश प्रसाद ने भारत सरकार की ओर से उप मुख्य अभियंता (निर्माण), उत्तर-पश्चिम रेलवे, उदयपुर द्वारा माध्यस्थ एवं सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 34 के तहत दायर प्रार्थना पत्र पर यह निर्णय दिया। संभागीय आयुक्त ने 14 जून 2024 को अवाई पारित कर भूमि को आवासीय मानते हुए मुआवजा दोबारा निर्धारित करने के निर्देश दिए थे।

न्यायालय ने राजस्थान भू-राजस्व (ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि का गैर कृषि प्रयोजन हेतु संपरिवर्तन) नियम, 2007 के नियम 4(क) का उल्लेख करते हुए कहा कि अधिग्रहणाधीन भूमि के संपरिवर्तन की अनुमति नहीं दी जा सकती। न्यायालय ने यह भी पाया कि रेलवे को 23 सितंबर 2022 का पत्र तहसील कार्यालय को विपक्षियों के 6 अक्टूबर 2022 को संपरिवर्तन आवेदन देने से पहले प्राप्त हो चुका था। इसके अलावा, मध्यस्थ ने रेलवे की ओर से नियुक्त अन्य अधिवक्ता को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम

- अदालत ने तत्कालीन संभागीय आयुक्त के मध्यस्थता अवाई को अपास्त किया

- इस प्रकरण में रेलवे की ओर से केंद्र सरकार के विशेष रूप से नियुक्त पैरल अधिवक्ता आशीष कुमार और देवेश यादव ने पैरवी की।

से सुनने से इनकार कर दिया था। न्यायालय ने इसे माध्यस्थ्य एवं सुलह अधिनियम की धारा 18 के तहत सुनवाई का पूरा अवसर देने के प्रावधान के विपरीत माना।

इन आधारों पर अवाई को स्पष्ट विधिक अवैधता से प्रसित मानते हुए निरस्त कर दिया गया और मध्यस्थ का अधिलेख लौटाने के निर्देश दिए गए। अदालत में रेलवे की ओर से अधिवक्ता आशीष कुमार और देवेश यादव ने पैरवी करते हुए कहा कि, विपक्षियों ने ज्यादा मुआवजा पाने के इरादे से जल्दबाजी में रूपांतरण कराया। परियोजना की अधिसूचना 30 मार्च 2022 को ही स्थानीय अखबारों में छप चुकी थी।

वहीं 23 सितंबर 2022 का पत्र तहसील कार्यालय पहुंच चुका था और पटवारी का भौतिक सत्यापन चल रहा था। रेलवे ने यह भी कहा कि राजस्थान भू-राजस्व (कृषि भूमि का गैर कृषि प्रयोजन हेतु रूपांतरण) नियम, 2007 के नियम 4(क) के अनुसार अवापि के अधीन भूमि का रूपांतरण नहीं हो सकता।

खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। थानाधिकारी राजेश

गौतम ने बताया कि डीएसटी के हेड कांस्टेबल मान सिंह टीम के साथ सरकारी बोलeros में सीतापुरा स्थित नारायण बाबा की ढाणी के पास एक खेत में हथकड़ शराब के मामले में कार्रवाई करने पहुंचे थे। मौके पर चार लोगों के पास शराब होने की जानकारी सामने आई। जिसके बाद पुलिस ने राहुल मीणा और मुकेश मीणा को पकड़ लिया।

आरोप है कि इसी दौरान नारायण बाबा की ढाणी और आसपास की ढाणियों से करीब 20-

21 लोग मौके पर पहुंच गए। इनमें महिलाएं भी शामिल थीं। भीड़ ने कार्रवाई का विरोध करते हुए धाक जेडीए की अपनी फीजिबिलिटी रिपोर्ट में स्थल को बाढ़ संभावित और तकनीकी रूप से अनुपयुक्त बताया गया था। उनका कहना था कि मौजूदा बुनियादी ढांचे से टकराव और नकारात्मक लागत-लाभ अनुपात भी चिंता के विषय हैं। जेडीए ने जवाब में बताया कि परियोजना को कठोर इंजीनियरिंग मूल्यांकन के बाद अंतिम रूप दिया गया है। मैसर्स थॉट कंसल्टेंट्स जयपुर प्रा. लि. द्वारा किए गए 3 दिन, 24 घंटे के टैफिक सर्वे और पीसीयू आधारित पीक-आवर

लागया गया है। पुलिस रिपोर्ट में राहुल मीणा, मुकेश मीणा, नरसी, पप्पू मीणा, कृष्ण, विष्णु, बनवारी, कैलाशराम उर्फ बनवारी और विकास उर्फ पोला मीणा सहित अन्य लोगों के नाम शामिल हैं। रिपोर्ट में कुछ महिलाओं के नाम भी दर्ज हैं। थानाधिकारी राजेश गौतम ने बताया कि हथकड़ शराब के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम के साथ मारपीट और सरकारी वाहन में तोड़फोड़ की गई। मामले में नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

राज्यपाल ने किया भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी के सम्मेलन का शुभारंभ

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने गुरुवार को भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी के 33वें वार्षिक सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि मानव मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र अत्यंत जटिल संरचनाएं हैं। इनसे जुड़े रोगों का प्रभाव केवल रोगी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे परिवार और समुदाय पर पड़ता है। भारत में प्रतिवर्ष करीब 25 लाख लोग स्ट्रोक से पीड़ित होते हैं। खराब जीवनशैली के कारण अब यह समस्या युवाओं में भी तेजी से बढ़ रही है। राज्यपाल ने पार्किसंस और अल्जाइमर जैसे तंत्रिका संबंधी रोगों का उल्लेख करते हुए चिकित्सकों से समय पर निदान, विशेषज्ञ उपचार, निरंतर अनुसंधान तथा संवेदनशील और मानवीय देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। योग, प्राणायाम और ध्यान को जीवनशैली का हिस्सा बनाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि नियमित अभ्यास से मार्गसिक रोगों का निदान में मदद मिलती है और स्ट्रोक का खतरा भी घट सकता है। बागडे ने स्वाई मानसिंह अस्पताल के तंत्रिका रोग विभाग तथा जोधपुर, कोटा, उदयपुर और बीकानेर के चिकित्सा महाविद्यालयों में दी जा रही सेवाओं को अनुकरणीय बताया। उन्होंने प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की। राज्यपाल ने जटिल रोगों के उपचार की सुविधाएं ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने के उपायों पर विचार करने का आग्रह किया।

पुरानी चुंगी अंडरपास का रास्ता साफ, जनहित याचिका खारिज

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ ने अजमेर रोड स्थित पुरानी चुंगी चौहारे पर प्रस्तावित वन-वे अंडरपास के निर्माण के खिलाफ दायर जनहित याचिका खारिज कर दी है। इससे जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया है। मुख्य न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल और न्यायाधीश समीर जैन की खंडपीठ ने 27 अक्टूबर को यह आदेश सुनाया।

जेडीए शहर को रेड लाइट प्री बनाने और यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए बड़े स्तर पर कार्य कर रहा है। पुरानी चुंगी अंडरपास इसी कार्ययोजना की अहम कड़ी है। करीब 19.18 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के लिए जेडीए ने 6 मार्च 2026 को निविदा जारी की थी।

याचिकाकर्ता ज्ञानेश कुमार शर्मा ने निविदा रद्द करने की मांग करते हुए कहा था कि जेडीए की अपनी फीजिबिलिटी रिपोर्ट में स्थल को बाढ़ संभावित और तकनीकी रूप से अनुपयुक्त बताया गया था। उनका कहना था कि मौजूदा बुनियादी ढांचे से टकराव और नकारात्मक लागत-लाभ अनुपात भी चिंता के विषय हैं। जेडीए ने जवाब में बताया कि परियोजना को कठोर इंजीनियरिंग मूल्यांकन के बाद अंतिम रूप दिया गया है। मैसर्स थॉट कंसल्टेंट्स जयपुर प्रा. लि. द्वारा किए गए 3 दिन, 24 घंटे के टैफिक सर्वे और पीसीयू आधारित पीक-आवर

महापौर सुनील कोठारी ने सादगी के साथ मनाया जन्मदिन

जयपुर । राजनीति में जन्मदिन पर बैनर, पोस्टर और होर्डिंग के जरिए शक्ति प्रदर्शन के चलन के बीच जयपुर के महापौर सुनील कोठारी ने सादगी से जन्मदिन मनाया। उन्होंने न कोई राजनीतिक आयोजन किया, न अभिनंदन समारोह रखा और न ही शहर में अपने नाम के बैनर-पोस्टर लगावा। परिवार के साथ शहर से बाहर जाकर जन्मदिन मनाने के उनके फैसले को राष्ट्रीय सहकार नेता एवं बैकिंग ट्रेड यूनियन नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने सार्वजनिक जीवन में सादगी का संदेश देने वाली पहल बताया। आमेरा ने कहा कि आज जब जन्मदिन के आयोजन कई बार शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बन जाते हैं, ऐसे में कोठारी ने बिना किसी भव्य समारोह और दिखावे के दिन विताकर अलग संदेश दिया है। उनके अनुसार, जनप्रतिनिधि की पहचान बैनर और पोस्टर के आकार से नहीं, बल्कि उसके संकल्प, कार्यशैली और सिद्धांतों से होनी चाहिए।

आमेरा ने कहा कि जयपुर के महापौर और भारतीय जनता पार्टी के महत्वपूर्ण पदाधिकारी होने के बावजूद कोठारी ने जन्मदिन पर व्यक्तिगत प्रचार और सार्वजनिक प्रदर्शन से दूरी बनाए रखी। यह पहल युवाओं, राजनीतिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों को सादगी, स्वच्छता और ईमानदारी के साथ सार्वजनिक जीवन जीने की प्रेरणा देती है। उन्होंने व्यक्तित्व रूप से तथा ट्रेड यूनियन नेता और सहकारिता क्षेत्र के जनप्रतिनिधि के रूप में कोठारी की निर्णय का स्वागत किया।

पूर्व मंत्री प्रताप सिंह सिंघवी के सिविल लाइंस स्थित घर में चोरी घर से डेढ़ लाख रुपए और आर्टिफिशियल ज्वैलरी ले भागे बदमाश

जयपुर (निसं)। राजधानी के सिविल लाइंस जैसे हाई सिक्कोरिटी क्षेत्र में चोर ने भाजपा के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री प्रताप सिंह सिंघवी के घर को निशाना बनाया। बुधवार देर रात करीब 2:15 बजे बदमाश किचन की खिड़की का लॉक तोड़कर घर में घुसा और करीब एक घंटे तक अंदर रहा। विधायक के निजी सहायक राजवीर सिंह के अनुसार बदमाश करीब डेढ़ लाख रुपए और आर्टिफिशियल ज्वेलरी चोरी कर ले गया। वारदात के दौरान घर में 10 से अधिक लोग सो रहे थे।

पुलिस के अनुसार सीसीटीवी फुटेज में बदमाश कंधे पर बैग टांगे नजर आ रहा है, हालांकि उसका चेहरा स्पष्ट नहीं दिख रहा। वह अपने साथ पेचकस लेकर आया था और इसी की मदद से किचन की खिड़की का लॉक

तोड़कर अंदर दाखिल हुआ। सुबह चोरी का पता चलने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को खिड़की टूटी हुई और घर में सामान बिखरा मिला।

विधायक का आवास राजभवन से करीब 300 मीटर और मुख्यमंत्री आवास से लगभग 500 मीटर की दूरी पर है। इस क्षेत्र में चौबीसों घंटे सुरक्षा व्यवस्था रहती है और आने-जाने वाले लोगों व वाहनों पर निगरानी रखी जाती है। इसके बावजूद चोरी की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिवार के अनुसार प्रताप सिंह सिंघवी जयपुर स्थित इसी आवास में रहते हैं, लेकिन पंचायत चुनाव के चलते फिलहाल अपने विधानसभा क्षेत्र छबड़ा में हैं। चोरी की जानकारी मिलने पर उन्होंने जयपुर पुलिस आयुक्त से

फोन पर बात की। सूचना मिलने के बाद सोडाला थानाधिकारी और डीसीपी दक्षिण मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर एफएसएल टीम की बुलाया गया।

डीसीपी दक्षिण राजीव राज ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार करीब एक लाख रुपए और आर्टिफिशियल ज्वेलरी चोरी हुई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले की जांच के लिए विशेष टीम लगाई गई है।

- स्वर्णकार समाज ने दी आंदोलन तेज करने की चेतावनी
- तीनों घायलों का एसएमएस अस्पताल में इलाज जारी

को जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया तो आंदोलन तेज किया जाएगा। पुलिस ने वारदात के बाद शहर में नाकाबंदी कराई। पुलिस कमिश्नरेट की कई टीमों को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान और सीसीपी ईस्ट पारस जैन को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों के खिलाफ साक्ष्य की मांग की गई। समाज के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि सभी हमलावरों

अपराधिक रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। हमले में घायल ज्वेलर भाई सोनू सोनी और निशु सोनी तथा बीच-बचाव के दौरान घरे में गोली लगने से घायल हुई सीमा गुप्ता का एसएमएस अस्पताल में उपचार जारी है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, तीनों की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। घटना से इलाके के व्यापारियों और स्थानीय निवासियों में भय का माहौल है। वारदात को लेकर एक अहम सवाल यह भी उठ रहा है कि घटनास्थल से करीब 200 मीटर की दूरी पर पुलिस वैन मौजूद होने के बावजूद हमलावर वाहन को अंजाम देकर कैसे फरार हो गए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी और वारदात के खुलासे का इंतजार है।

सार-समाचार

पुलिसकर्मों को टक्कर मारने वाला पकड़ा

जयपुर (कासं)। मानसरोवर थाना पुलिस ने ड्यूटी के दौरान यातायात पुलिसकर्मों को स्कॉपियों से टक्कर मारकर फरार होने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान सुशांक उर्फ शिवा (30) के रूप में की है। घटना में प्रयुक्त स्कॉपियों भी जप्त की गई हैं। पुलिस उपायुक्त दक्षिण ने बताया कि 8 सितंबर 2026 को मानसरोवर क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात यातायात पुलिसकर्मियों के चाले रंग की स्कॉपियों को रुकने का इशारा किया था। आरोप है कि चालक ने रुकने के बजाय तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मों को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। इस संबंध में मानसरोवर थाने में एकआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने वाहन के पंजीकृत मालिक को नोटिस जारी करने के बाद स्कॉपियों जप्त कर ली थी, जबकि चालक फरार था। मानसरोवर थानाधिकारी सतीश चंद के नेतृत्व में गतिट टीम ने तकनीकी सहायता से आरोपी का पता लगाकर आरोपी सुशांत उर्फ शिवा निवासी अलवर हाल जयपुर को गिरफ्तार कर पृष्ठताछ की जा रही है।

भट्टा बस्ती से निकाली नशा मुक्ति रैली

जयपुर (कासं)।। राजस्थान पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत उत्तर जिले में जन जागरण रैली निकाली गई। रैली भट्टा बस्ती से शुरू होकर विभिन्न कालोनियों और कच्ची बस्तियों से होते हुए शास्त्री नगर थाना क्षेत्र स्थित चंद्रशेखर की बगीची पहुंची। इस दौरान नुककड़ नाटक के माध्यम से आमजन और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करण शर्मा के मार्गदर्शन और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर-द्वितीय) बजरंग सिंह के निर्देशन में आयोजित रैली में सहायक पुलिस आयुक्त (शास्त्रीनगर) दिलीप कुमार, भट्टाबस्ती थानाधिकारी सुरेंद्र कुमार, विद्याधर नगर थानाधिकारी सज्जन कुमार और शास्त्रीनगर थानाधिकारी दिलीप सिंह सहित पुलिस अधिकारी एवं जनान शामिल हुए। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि रैली में स्थानीय पापटों, सुरक्षा सखियों, पुलिस मित्रों, सीएलजी सदस्यों और बड़ी संख्या में आमजन ने भाग लिया। चंद्रशेखर की बगीची में आयोजित नुककड़ कार्यक्रम में ‘होनहार संस्था’ के कलाकारों ने नशा मुक्ति पर नुककड़ नाटक प्रस्तुत किया। इसके माध्यम से बताया गया कि नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने के साथ उसके परिवार और समाज को भी प्रभावित करती है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त बजरंग सिंह ने युवाओं और आमजन से नशे से दूर रहने तथा स्वास्थ्य जीवनशैली अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी आवश्यक है। इस कार्यक्रम के अंत में ‘नशे को कहीं ना, जिंदगी को कहीं हां’ का संदेश देते हुए नागरिकों से नशामुक्त जयपुर के निर्माण में सहयोग करने का आह्वान किया गया।

थम्पड़ कांड के विरोध में सड़क पर उतरे लोग

जयपुर । हसनपुरा इलाके में बुधवार देर रात थम्पड़ मामले की घटना को लेकर तनाव बढ़ गया। विरोध में बड़ी संख्या में लोग हटवाड़ा रोड पर जमा हो गए और सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इससे यातायात बाधित हो गया। सूचना पर सोडाला और सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। देर रात तक समझाइश का दौर चलता रहा। आधिकारक विधायक गोपाल शर्मा की मध्यस्थता और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के आश्वासन के बाद रात करीब ढाई बजे जाम खोल दिया गया। जानकारी के अनुसार दिन में किसी बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। आरोप है कि इस दौरान एक पक्ष के व्यक्ति को थम्पड़ मार दिया गया। घटना से नाराज लोग रात में हटवाड़ा रोड पर एकत्र हो गए और सड़क पर बैठकर प्रदर्शन करने लगे। प्रदर्शनकारी दूसरे पक्ष के मुख्य आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। तनाव बढ़ने की सूचना पर सोडाला और सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थिति को देखते हुए पुलिसक गोपाल शर्मा भी देर रात घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों और विधायक ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। इस दौरान इलाके में पुलिस बल तैनात रहा। प्रदर्शनकारियों और प्रशासन के बीच रात करीब दो बजे तक बातचीत चलती रही। आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन मिलने के बाद प्रदर्शनकारी जाम खोलने पर सहमत हुए।

30 लाख की नकबजनी करने वाला पकड़ा

जयपुर(निसं)। मानसरोवर स्थित द्वारका अपार्टमेंट के फ्लैट से करीब 30 लाख रुपए के आभूषण चोरी होने के मामले का सिप्रामुख थाना पुलिस ने चोरी के आरोप में पीड़ित परिवार के चालक शुभम सैन को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने काले चुन्नी के लिए वापस दाने अंजाम दिया। उसकी निशानदेही पर चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं।

जयपुर डायलॉग्स का तीन दिवसीय वैचारिक महाकुंभ आज से

“धर्मयुद्ध-द बैटल फॉर भारत” थीम पर 80 से अधिक वक्ता करेंगे मंथन

जयपुर । देश के प्रमुख वैचारिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक मंच ‘द जयपुर डायलॉग्स’ का 11वां वार्षिक सम्मेलन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक जेएलएन मार्ग स्थित होटल क्लार्क आमेर में आयोजित होगा। ‘धर्मयुद्ध-द बैटल फॉर भारत’ थीम पर होने वाले इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के 80 से अधिक प्रख्यात वक्ता, रक्षा विश्लेषक, विधि विशेषज्ञ, इतिहासकार, मीडिया विशेषज्ञ और नीति-निर्माता भारत के भविष्य की दिशा पर विचार-विमर्श करेंगे।

सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष, पूर्व वरिष्ठ नौकरसाह और लेखक संजय दीक्षित ने गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि वर्तमान वैश्विक उथल-पुथल और वैचारिक संघर्ष के दौर में यह सम्मेलन भारत की अस्तित्ता, वैचारिक संप्रभुता और सांस्कृतिक पुरुस्त्थान से जुड़े मुद्दों पर विमर्श की संभावना बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा, भू-राजनीति, न्यायिक सुधार, मीडिया की प्रामाणिकता और सभ्यतागत अधिकारों सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श को दिशा देने का प्रयास किया जाएगा।

30 अक्टूबर को होने वाले उद्घाटन सत्र में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठीर मुख्य अतिथि होंगे। ‘भारत राइजिंग-व्हाई भारत मस्ट राइज एंड व्हाई इट वॉज इन सेंलंबर’ विषयक सत्र का संचालन संजय दीक्षित करेंगे।

न्यायपालिका, रक्षा और विदेश नीति पर चर्चा

सम्मेलन में न्याय व्यवस्था, संविधान और सभ्यतागत अधिकारों पर चर्चा होगी। वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया और संजय दीक्षित ‘मिलाइंड्स एंड प्यूचर ऑफ जुडिशरी इन इंडिया’ सत्र में विचार रखेंगे। इस दौरान ‘हिंदू लीगल एड’ वेबसाइट का शुभारंभ भी होगा। विदेश नीति, दक्षिण एशिया की कूटनीति, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के हालात, ब्रिक्स बनाम जी-7 तथा ब्रह्मोस से ड्रोन तक आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन जैसे विषयों पर भी मंथन होगा। प्रमुख वक्ताओं में मेजर जनरल राजीव नारायणन, लेफ्टिनेंट जनरल डी.पी. पांडे, मेजर गौरव आर्या, सुशान्त सरीन और तिलक देवशर



शामिल हैं।

मीडिया, संस्कृति और इतिहास पर विमर्श

मीडिया और सामाजिक माध्यमों की भूमिका तथा वैचारिक विमर्श पर होने वाले सत्रों में आनंद रंगनाथन, रुबिका लियाकत, आनंद नरसिम्हन, अमन कोपड़ा, सुशान्त सिन्हा

और प्रखर श्रीवास्तव भाग लेंगे। भारतीय सिनेमा, इतिहास लेखन और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े विषयों पर शेफाली वैद्य, अद्वैता काला, संजीव नेवार, संक्रांत सानू, अमी गणगात्र और डॉ. सी.के. राजू अपने विचार रखेंगे।

सम्मेलन में संजय दीक्षित की पुस्तक ‘काफिल्स गाइड टू सुफिज्म’ के आबर्णक विमोचन होगा। इसके अलावा अमी गणगात्रा की ‘व्हाई आर वी दिस वे’, शतनु गुप्ता की

संजय दीक्षित ने बताया कि तीन दिवसीय सम्मेलन में मंचीय सत्रों के 12, खुले मंच के 17 और गोलेमेज चर्चाओं के 17 सत्रों सहित करीब 50 सत्र आयोजित होंगे। सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अंतिध वक्ताओं का जयपुर पहुंचना शुरू हो गया है। सम्मेलन के सत्र मुख्य सभागार, समूह चर्चा स्थलों, खुले मंच और तंबू परिसर में आयोजित किए जाएंगे।